मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 5

BHDC-105

बी. ए. (ऑनर्स) हिन्दी

(सी. बी. सी. एस.—बी. ए. एच. डी. एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

बी.एच.डी.सी.-105 : छायावादोत्तर हिन्दी कविता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* ***पहला*** *प्रश्न अनिवार्य है।*

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं ***तीन*** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 3×12=36

(क) माँझी ! न बजाओ बंशी मेरा मन डोलता

मेरा मन डोलता है जैसे जल डोलता

जल का जहाज जैसे पल-पल डोलता

माँझी ! न बजाओ बंशी मेरा प्रन टूटता

मेरा प्रन टूटता है जैसे तृन टूटता

तृन का निवास जैसे बन-बन टूटता

माँझी ! न बजाओ बंशी मेरा तन झूमता

मेरा तन झूमता है तेरा तन झूमता

मेरा तन तेरा तन एक बन झूमता।

(ख) आदमी का स्वप्न ? है बुलबुला जल काय

आज उठता और कल फिर फूट जाता हाय

किन्तु, फिर भी धन्य ठहरा आदमी ही तो ?

बुलबुलों से खेलता, कविता बनाता है।

(ग) अगर मैं तुमको

ललाती साँझ के नभ की अकेली तारिका

अब नहीं कहता,

या शरद के भोर की नीहार-न्हायी कूँई

टटकी कली चंपे की

वगैरह, तो

नहीं कारण कि मेरा हृदय उथला या कि सूना है

या कि मेरा प्यार मैला है।

बल्कि केवल यही :

ये उपमान मैले हो गए हैं।

(घ) तुम्हारे साथ रहकर

अक्सर मुझे महसूस हुआ है

कि हर बात का एक मतलब होता है,

यहाँ तक कि घास के हिलने का भी,

हवा का खिड़की से आने का,

और धूप का दीवार पर

चढ़कर चले जाने का।

तुम्हारे साथ रहकर

अक्सर मुझे लगा है

कि हम असमर्थताओं से नहीं

सम्भावनाओं से घिरे हैं,

हर दीवार में द्वार बन सकता है

और हर द्वार से पूरा का पूरा

पहाड़ गुजर सकता है।

(ङ) यह धीरे-धीरे होना

धीरे-धीरे होने की सामूहिक लय
दृढ़ता से बाँधे है समूचे शहर को
इस तरह कि कुछ भी गिरता नहीं है
कि हिलता नहीं है कुछ भी
कि जो चीज जहाँ थी
वहीं पर रखी है
कि गंगा वहीं है
कि वहीं पर बँधी है नाँव
कि वहीं पर रखी है तुलसीदास की खड़ाऊँ
सैकड़ों बरस से।

2. प्रयोगवाद की प्रमुख प्रवृत्तियों की चर्चा कीजिए। 16

3. समकालीन कविता की शिल्पगत प्रवृत्तियों को रेखांकित कीजिए। 16

4. केदारनाथ अग्रवाल के काव्य की अन्तर्वस्तु पर प्रकाश डालिए। 16

5. नागार्जुन के काव्य-सौष्ठव को स्पष्ट कीजिए। 16

6. 'दिनकर' की सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना पर प्रकाश डालिए। 16

7. माखनलाल चतुर्वेदी के काव्य के भावपक्ष को रेखांकित कीजिए। 16

8. अज्ञेय के काव्य के शिल्पपक्ष का विवेचन कीजिए। 16

9. एक कवि के रूप में रघुवीर सहाय का मूल्यांकन कीजिए। 16

10. केदारनाथ सिंह के काव्य की प्रमुख विशेषताओं को रेखांकित कीजिए। 16